

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,

प्रमुख राधिव

उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

1-संयुक्त गन्ना एवं चीनी आयुक्त
उत्तरांचल काशीपुर।

2-सहायक गन्ना आयुक्त
देहरादून/उधमसिंहनगर/हरिद्वार।

सहकारिता, गन्ना एवं चीनी अनुभाग-2

देहरादून

दिनांक ०१ जुलाई, 2006

विषय:-अनुदान संख्या-30 में वित्तीय वर्ष 2006-07 के आयोजनागत पक्ष की अन्तरग्रामीण सड़क निर्माण योजना हेतु वित्तीय स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त गन्ना एवं चीनी आयुक्त, उत्तरांचल काशीपुर के पत्र संख्या-516/सा०वजट/2006-07, दिनांक 16.5.2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 में गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग के आयोजनागत पक्ष की जिला योजना में अनुसूचित जाति उपयोजना (एस०सी०एस०पी०) के अन्तर्गत अन्तरग्रामीण सड़क निर्माण योजना गन्ना विकास की योजना हेतु प्रथम किस्त के रूप में कुल रु० 1550 हजार (पन्द्रह लाख पचास हजार रुपये मात्र) की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के अधीन संलग्नक में उल्लेखित जनपदों को उनके सम्मुख अंकित विवरणानुसार, वित्तीय स्वीकृति सहर्ष प्रदान करते हैं।

2- इस सम्बन्ध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से एवं अधिक व्यय न किया जाय।

3- स्वीकृति इस शर्त के अधीन है कि गत वित्तीय वर्ष 2005-06 में इस मद में स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को उपलब्ध कराने के उपरान्त ही इस धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण एवं व्यय किया जायेगा।

4- स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय तभी किया जाये जब सम्बन्धित योजना में जिला अनुश्रवण समिति द्वारा परिव्यय अनुमोदित करा लिया जाय।

5- स्वीकृत धनराशि केवल चालू एवं पूर्व अनुमोदित कार्यो/मदों पर ही व्यय की जाय तथा किसी ऐसे कार्य/मद पर धनराशि व्यय न की जाय जो योजना में स्वीकृत नहीं है।

6- स्वीकृत धनराशि का उपयोग यदि अन्यत्र अथवा किसी अन्य मद में किया जाना है तो सम्बन्धित अधिकारी इसके लिये व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे तथा उनसे अधिक व्यय की वसूली की जायेगी।

7- स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन द्वारा अनुमोदित परिव्यय एवं योजनाओं की सीमा तक ही किया जाय।

8- स्वीकृत धनराशि का उपयोग अनुसूचित जाति बाहुल्य ग्राम/ग्रामो को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण में ही किया जाय।

9- स्वीकृत की जा रही धनराशि का 31.3.2007 तक पूर्ण उपयोग कर स्थिति की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण एवं उपयोगिता प्रमाण पत्र शासन को प्रस्तुत कर दिया जाय।

10- स्वीकृत धनराशि का योजनावार व्यय विवरण प्रत्येक माह की 5 तारीख तक बी०एम०-13 पर नियमित रूप से वित्त विभाग/अपर सचिव (गन्ना विकास) उत्तरांचल शासन तथा महालेखाकार उत्तरांचल को भिजवाना सुनिश्चित करें।

11- स्वीकृत धनराशि का व्यय शासन के वर्तमान सुसंगत आदेशों/निर्देशों के अनुसार किया जायेगा तथा यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त धनराशि किसी ऐसे कार्यो/मद पर व्यय न की जाय जिसके लिये वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा बजट मैनुअल के अन्तर्गत शासन/सक्षम अधिकारी प्रतिबन्धित हो अथवा जिसमे शासन/सक्षम प्राधिकारी की पूर्व स्वीकृति न ली गयी हो, प्रशासनिक व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है, व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

12- उक्त व्यय वर्तमान में वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय व्यय अनुदान संख्या-30 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2401-फसल कृषि कर्म, 108 वाणिज्यिक फसलें, 02-अनूसूचित जातियों के लिये स्पेशल कम्पोनेन्ट सब प्लान, 0291-अन्तर्ग्रामीण सड़क निर्माण योजना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के अन्तर्गत संलग्नक में वर्णित लेखा शीर्षको के अन्तर्गत सुसंगत प्राथमिक इकाईयो के नामें डाला जायेगा।

13- यह आदेश वित्त विभाग के अ०शा०पत्र संख्या- 214/वि०अनु०-4, दिनांक 27.7.2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्न-यथोपरि।

भवदीय,

(पी०सी०शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या - १५१(1)/XIV-2/2006 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित -

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी उत्तरांचल देहरादून।
- 2- जिलाधिकारी, नैनीताल, हरिद्वार, देहरादून, उधमसिंहनगर।
- 3- कोषाधिकारी, नैनीताल, हरिद्वार, देहरादून, उधमसिंहनगर।
- 4- गन्ना एवं चीनी आयुक्त उत्तरांचल काशीपुर।
- 5- वित्त अनुभाग-4 उत्तरांचल शासन देहरादून।
- 6- बजट निदेशालय उत्तरांचल शासन देहरादून।
- 7- नियोजन विभाग उत्तरांचल शासन देहरादून।
- 8- निदेशक राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
- 9- निजी सचिव, मुख्य सचिव उत्तरांचल शासन देहरादून।
- 10-गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(विनोद शर्मा)
अपर सचिव।